भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

11.03.2026 के

तारांकित प्रश्न सं. 273 का उत्तर

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत हुई प्रगति

***273. श्री लुम्बाराम चौधरी:**

श्री सतीश कुमार गौतम:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विशेषकर जालौर और सिरोही लोक सभा निर्वाचन क्षेत्रों, विशेषकर सरगुजा जिले सहित छत्तीसगढ़, कर्नाटक, महाराष्ट्र के पालघर जिले, साबरकांठा (गुजरात) के हिम्मतनगर स्टेशन, हिमाचल प्रदेश, उत्तर रेलवे के अंबाला मंडल और जम्मू मंडल तथा झारखंड के संदर्भ में वर्तमान में कितनी प्रगति हुई है तथा इसके अंतर्गत कितने स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है एवं चल रहे कार्यों और अब तक पूर्ण हो चुकी परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(ख) राजस्थान, विशेषकर पाली लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत हासिल की गई प्रगति का ब्यौरा क्या है;

(ग) विकसित किए गए बहु-मॉडल इंटीग्रेशन और पर्यटन सर्किट का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार ने कर्नाटक सहित देश में यात्री संतुष्टि के संबंध में अमृत भारत स्टेशन योजना के प्रभाव का आकलन किया है और यदि हां, तो इसके निष्कर्ष क्या हैं;

(ङ) क्या इस योजना के अंतर्गत स्टेशनों का विकास निर्धारित समय-सीमा के भीतर हो रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(च) **जलगांव लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र सहित महाराष्ट्र में इस योजना के अंतर्गत शामिल किए गए स्टेशनों की परियोजना लागत, पूरा होने की समय-सीमा और वित्त पोषण की स्थिति सहित ब्यौरा क्या है; और**

(छ) **क्या सरकार उक्त योजना के अंतर्गत विशेषकर किराड़ी, घेवरा, नरेला, सिरसपुर, खेड़ा कलां, टीकरी कलां, होलंबी कलां, भोरगढ़ में आरओबी और आरयूबी तथा बादली स्टेशन से रोहिणी सेक्टर-18 मेट्रो स्टेशन तक आरओबी का निर्माण कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?**

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (छ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*****

दिनांक 11.03.2026 को लोक सभा के तारांकित प्रश्न सं. 273 के भाग (क) से (छ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (छ): रेल मंत्रालय द्वारा दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ स्टेशनों के पुनर्विकास हेतु अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की गई है। अभी तक, अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास के लिए 1337 रेलवे स्टेशनों को चिह्नित किया गया है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों के विकास कार्य तीव्र गति से शुरू किए गए हैं। अभी तक, 180 रेलवे स्टेशनों पर निर्माण-कार्य पूरे हो चुके हैं। अभी तक निम्नलिखित रेलवे स्टेशनों पर कार्य पूरे किए गए हैं:

अलनावर, अंब अंदौरा, अंबिकापुर, आमगांव, आनंदपुर साहिब, अनारा, अयोध्या धाम, बादामी, बागलकोट, बैजनाथ पपरोला, बलरामपुर, बंतावाला, बाराभूम, बारामती, बरेली सिटी, बारीपदा, बाड़मेर, बरपाली, बेगमपेट, ब्योहारी, भानुप्रतापपुर, भिलाई, भिण्ड, बिजनौर, बिमलगढ़, बोम्मिडी, बूंदी, चांदा फोर्ट, चालक्कुडि, चंगनास्सेरी, चेन्नै पार्क, चिदंबरम, चिंचपोकली, चिन्नसेलम, चिरयिनकीष़, कटक, डाकोर, डेरोल, देशनोक, देवलाली, धारवाड़, धुले, डोंगरगढ़, फतेहाबाद, फतेहपुर, फतेहपुर शेखावाटी, गडग, गंगापुर सिटी, गोड्डा, गोधरा जंक्शन, गोगामेरी, गोकक रोड, गोला गोकर्णनाथ, गोमती नगर, गोवर्धन, गोविंद गढ़, गोविंदपुरी, गोविंदपुर रोड, हफिजपेट, हैबरगांव, हल्दिया, हापा, हरपालपुर, हाथरस सिटी, होडल, ईदगाह आगरा जंक्शन, इज्जतनगर, जैसलमेर, जाम जोधपुर, जाम वनथली, जयचण्डी पहाड़, जुन्नार देव, काकीनाडा टाउन, कल्याणी घोषपारा, कामाख्यागुड़ी, कनालुस जंक्शन, कराईकुडी जंक्शन, करमसद, करीमनगर, कटनी साउथ, केडगांव, खैरथल, खंभालिया, खलीलाबाद, कोप्पल, कोसंबा जंक्शन, कुलितुरई, कुट्टीपुरम, लासलगांव, लिम्बडी, लोहरदगा, लोणंद जंक्शन, माहे, महुवा, मैलानी, मंडल गढ़, मंडावर महवा रोड, मधुपुर, मनापराई, मंडी डबवाली, मंगलागिरी, मन्नारगुडी, माटुंगा, एम.सी.एस. छत्तरपुर, मीठापुर, मोरप्पुर, मोरबी, मुक्तसर, मुनिराबाद, मूरी जंक्शन, मुर्तिजापुर जंक्शन, नैनपुर जंक्शन,

नंदुरा, नर्मदापुरम, नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी जंक्शन, ओखा, ओरछा, पालीताणा, पानागढ़, पनकी धाम, परेल, परलाखेमुंडी, पीरपैंती, पिस्का, पुखरायां, पोलाची जंक्शन, पोलूर, पोरबंदर, राजगढ़, राजमहल, राजुला जंक्शन, रामघाट हाल्ट, रायनपाडु, सहारनपुर जंक्शन, साहिबजादा अजीत सिंह नगर मोहाली, साहेबगंज, समखियाली, समलपट्टी, सांची, शंकरपुर, सावदा, सिवनी, शहद, शाजापुर, शोलावंदन, षोरणूर जंक्शन, श्रीधाम, सिद्धार्थ नगर, सीहोर जंक्शन, सिउरी, श्री बाला ब्रह्मेश्वर जोगुलम्बा, श्रीरंगम, श्रीविल्लिपुत्तूर, सेंट थॉमस माउंट, सुल्लुरपेटा, सुरैमंपुर, स्वामीनारायण छपिया, तालचेर, तामलुक, थावे, थिरुवरूर जंक्शन, तिरुवन्नामलाई, टूनि, उझानी, उरकुरा, उत्राण, वडकरा, वडाला रोड, विदिशा, वृद्धाचलम जंक्शन, वडक्कांचेरि, वारंगल।

अन्य रेलवे स्टेशनों पर भी विकास संबंधी कार्य तीव्र गति से शुरू किए गए हैं और इनमें से कुछ रेलवे स्टेशनों की प्रगति नीचे दी गई है:

जालोर लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र:

• जालोर स्टेशन: स्टेशन भवन, प्रांगण, शौचालय, प्रवेश/निकास द्वार और बाउंड्री दीवार के कार्य पूरे किए जा चुके हैं। परिचलन क्षेत्र और ऊपरी पैदल पुल के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

• मारवाड़ भीनमाल स्टेशन: स्टेशन भवन, प्रांगण, प्लेटफार्म की सतह और प्लेटफार्म संख्या 1 पर प्लेटफार्म शेल्टर, शौचालय, प्रवेश/निकास द्वार और बाउंड्री दीवार के कार्य पूरे किए जा चुके हैं। परिचलन क्षेत्र और ऊपरी पैदल पुल के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

• पिंडवाड़ा स्टेशन: स्टेशन भवन और प्लेटफार्म शेल्टर के कार्य पूरे किए जा चुके हैं। परिचलन क्षेत्र और 12 मीटर ऊपरी पैदल पुल के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

छत्तीसगढ़:

- **भिलाई पावर हाउस स्टेशन: स्टेशन भवन के नए दूसरे प्रवेश का निर्माण, स्टेशन भवन के मुख्य प्रवेश द्वार का सुधार कार्य, प्लेटफार्म उन्नयन, प्रतीक्षालयों के सुधार, परिचलन क्षेत्र का विकास, पार्किंग, लिफ्टें, एस्केलेटर और 12 मीटर ऊपरी पैदल पुल का कार्य पूरा किया जा चुका है। स्टेशन भवन के फिनिशिंग कार्य और प्लेटफार्मों पर प्रकाश व्यवस्था के सुधार कार्यों को शुरू किया गया है।**

- **दल्लीराजहरा स्टेशन: स्टेशन भवन, प्रतीक्षालय, शौचालय, प्लेटफार्म उन्नयन और जन उदघोषणा प्रणाली संबंधी सुधार कार्य पूरे किए जा चुके हैं। परिचलन क्षेत्र का सुधार, भूसुदर्शनीकरण, कला और संस्कृति संबंधी कार्य, संकेतन बोर्ड और प्लेटफार्मों पर प्रकाश व्यवस्था के सुधार के कार्य शुरू किए गए हैं।**

- **रायपुर जंक्शन स्टेशन: द्वितीय प्रवेश द्वार की ओर जनोपयोगी सुविधाओं के स्थानांतरण और पुनर्स्थापन कार्य पूरे किए जा चुके हैं। स्टेशन भवन के द्वितीय प्रवेश द्वार के संरचना संबंधी कार्य, दोनों मुख्य और द्वितीय प्रवेश द्वार पर मल्टी लेवल पार्किंग सुविधा, सेवा भवन और द्वितीय प्रवेश द्वार की ओर परिचलन क्षेत्र के विकास कार्य शुरू कर दिए गए हैं।**

- **सरोना स्टेशन: स्टेशन भवन के नए दूसरे प्रवेश द्वार का कार्य, स्टेशन भवन में मुख्य प्रवेश द्वार का सुधार कार्य, प्लेटफ़ॉर्म उन्नयन, प्रतीक्षालय क्षेत्रों में सुधार कार्य, परिचलन क्षेत्र का विकास कार्य, पार्किंग, जन उदघोषणा प्रणाली, लिफ्टें, एस्केलेटर और 12 मीटर ऊपरी पैदल पुल का कार्य पूरा किया जा चुका है। स्टेशन भवन का फिनिशिंग कार्य, भूसुदर्शनीकरण, कला और संस्कृति तथा प्लेटफार्मों पर प्रकाश व्यवस्था में सुधार कार्य शुरू किया गया है।**

दिल्ली:

• नरेला स्टेशन: प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर, प्लेटफ़ॉर्म सतह के कार्य, आधुनिक शौचालय, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग और दिव्यांगजन सुविधाओं के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

• सब्जी मंडी स्टेशन: नए स्टेशन भवन, प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर, प्लेटफ़ॉर्म सतह, आधुनिक शौचालय, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग, दिव्यांगजनों हेतु सुविधाएं, लिफ्टें और 12 मीटर ऊपरी पैदल पुल के कार्य शुरू किए गए हैं।

• तिलक ब्रिज स्टेशन: नए स्टेशन भवन, प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर, प्लेटफ़ॉर्म सतह, आधुनिक शौचालय, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग, दिव्यांगजनों हेतु सुविधाएं और लिफ्ट के कार्य शुरू किए गए हैं।

कर्नाटक:

• बेंगलुरु छावनी स्टेशन: दक्षिण की ओर मार्ग परिवर्तन हेतु सड़क, प्रशिक्षण केंद्र, उत्तर की ओर छात्रावास और विद्युत सबस्टेशन भवन के कार्य पूरे किए जा चुके हैं। दक्षिण की ओर स्टेशन भवन, उत्तर की ओर स्टेशन भवन, परिचलन क्षेत्र और ऊपरी पैदल पुल के कार्य शुरू किए गए हैं।

• चामराजनगर स्टेशन: स्टेशन भवन, प्रवेश द्वार प्रांगण, प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर, प्लेटफ़ॉर्म सतह, प्रतीक्षालय, टिकट काउंटर, परिचलन क्षेत्र और पार्किंग में सुधार के कार्य पूरे किए जा चुके हैं। लिफ्ट, एस्केलेटर और 12 मीटर ऊपरी पैदल पुल के कार्य शुरू किए गए हैं।

• घटप्रभा स्टेशन: प्लेटफ़ॉर्म सतह, प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर, परिचलन क्षेत्र, लिफ्ट, एस्केलेटर और 12 मीटर ऊपरी पैदल पुल के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

• होसपेटे स्टेशन: स्टेशन भवन का सुधार कार्य, प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर, प्रतीक्षालय का सुधार कार्य और प्लेटफ़ॉर्म संख्या 1 पर कोच संकेतन बोर्ड के कार्य पूरे हो चुके हैं। प्लेटफ़ॉर्म सतह, प्लेटफ़ॉर्म संख्या 2/3 पर कोच संकेतन बोर्ड, लिफ्ट, एस्केलेटर और 12 मीटर ऊपरी पैदल पुल के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

• रानिबेनूर स्टेशन: स्टेशन भवन, प्रवेश द्वार प्रांगण, प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर, प्लेटफ़ॉर्म सतह, प्रतीक्षालय, शौचालय, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग और प्रवेश द्वार का मेहराब के सुधार कार्य पूरे किए जा चुके हैं। लिफ्ट, एस्केलेटर और 12 मीटर ऊपरी पैदल पुल के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

पालघर जिला सहित महाराष्ट्र:

• पालघर स्टेशन: प्लेटफार्म संख्या 2/3 पर नए प्लेटफार्म शेल्टर का कार्य, प्लेटफार्म सतह का कार्य, नए कोपिंग ब्लॉक और प्लेटफार्म संख्या 4 पर टैक्टाइल टाइल कार्य पूरा हो चुका है। जनोपयोगी सुविधाओं का स्थानांतरण और 12 मीटर ऊपरी पैदल पुल का कार्य शुरू किया गया है।

• दिवा स्टेशन: स्टेशन भवन, परिचलन क्षेत्र और पूर्व की ओर पार्किंग में सुधार, नया प्रवेश द्वार, प्लेटफार्म संख्या 5/6 और 7/8 की ऊंचाई बढ़ाना और सतह संबंधी कार्य, प्लेटफार्म संख्या 7/8 पर शेल्टर, नया शौचालय ब्लॉक, पश्चिम की ओर सीवेज शोधन संयंत्र, कल्याण और मुंबई छोर पर ऊपरी पैदल पुल का सुधार का कार्य पूरा किया जा चुका है। नया 6 मीटर ऊपरी पैदल पुल का कार्य शुरू किया गया है।

• मुंब्रा स्टेशन: प्लेटफार्म सतह में सुधार, बैठने की व्यवस्था, नया शौचालय ब्लॉक, टिकट कार्यालय में सुधार, परिचलन क्षेत्र, सीवेज शोधन संयंत्र और ऊपरी पैदल पुल की सतह का कार्य पूरा किया जा चुका है। एस्केलेटर का कार्य शुरू किया गया है।

• टिटवाला स्टेशन: स्टेशन भवन, प्रवेश द्वार, प्लेटफॉर्म की सतह, टिकट बुकिंग कार्यालय का सुधार कार्य, शौचालय ब्लॉक, सीवेज शोधन संयंत्र, दोपहिया पार्किंग और पूर्व व पश्चिम दिशा की पहुँच सड़क के कार्य पूरे कर लिए गए हैं। नए 6 मीटर ऊपरी पैदल पुल का कार्य शुरू किया गया है।

• विक्रोली स्टेशन: पश्चिम दिशा पर स्टेशन भवन का सुधार, प्लेटफॉर्म की सतह, प्लेटफॉर्म शेल्टर, मुंबई छोर पर नया शौचालय ब्लॉक, कल्याण छोर पर शौचालय ब्लॉक का सुधार और ऊपरी पैदल पुल के कार्य पूरे कर लिए गए हैं। नए बुकिंग कार्यालय, पूर्व और पश्चिम दिशा में परिचलन क्षेत्र और पूर्व दिशा पर पार्किंग के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

• इगतपुरी स्टेशन: नए स्टेशन भवन का संरचना संबंधी कार्य, मौजूदा स्टेशन भवन का सुधार कार्य, प्रवेश द्वार, बुकिंग कार्यालय, शौचालय ब्लॉक, प्लेटफॉर्म की सतह, प्लेटफॉर्म शेल्टर, परिचलन क्षेत्र और सीवेज शोधन संयंत्र के कार्य पूरे कर लिए गए हैं। नए स्टेशन भवन का फिनिशिंग कार्य शुरू कर दिया गया है।

साबरकांठा जिला सहित गुजरात:

• हिम्मतनगर स्टेशन: नए स्टेशन भवन, मौजूदा स्टेशन भवन में सुधार, पानी के बूथ, शौचालय, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग और 12 मीटर ऊपरी पैदल पुल के कार्य शुरू किए गए हैं।

• दाहोद स्टेशन: स्टेशन भवन, प्रांगण, प्लेटफार्म संख्या 1 की सतह, बुकिंग काउंटर, प्रतीक्षालय, प्रतीक्षा कक्ष, पे एंड यूज शौचालय, परिचलन क्षेत्र, प्रवेश/निकास द्वार और संकेतकों में सुधार के कार्य पूरे किए गए हैं। 12 मीटर ऊपरी पैदल पुल का कार्य शुरू किया गया है।

• लिमखेड़ा स्टेशन: नए स्टेशन भवन, प्लेटफार्म संख्या 1 और 2 की ऊँचाई बढ़ाने, प्लेटफार्म सतह के सुधार कार्य, प्लेटफार्म संख्या 1 और 2/3 पर शौचालय, परिचलन क्षेत्र और प्रवेश/निकास द्वार में सुधार के कार्य पूरे किए गए हैं। संकेतकों और 6 मीटर ऊपरी पैदल पुल के कार्य शुरू किए गए हैं।

• असरवा स्टेशन: नए स्टेशन भवन, प्रांगण, नई प्रतीक्षालय, बुकिंग काउंटर और शौचालय ब्लॉक के कार्य पूरे कर लिए गए हैं। नए प्लेटफार्म शेल्टर, प्लेटफार्म सतह, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग, दिव्यांगजन सुविधाएँ और कॉनकोर्स क्षेत्र के फिनिशिंग कार्य शुरू किए गए हैं।

• सीहोर स्टेशन: प्लेटफार्म सतह, प्लेटफार्म शेल्टर, प्रतीक्षालय, शौचालय, परिचलन क्षेत्र, पहुंच मार्ग, संकेतकों और स्टेशन पर प्रकाश व्यवस्था के कार्य पूरे कर लिए गए हैं। 12 मीटर ऊपरी पैदल पुल का कार्य शुरू किया गया है।

हिमाचल प्रदेश:

अम्ब अंदौरा और बैजनाथ पपरोला स्टेशनों पर विकास कार्य पूरे किए जा चुके हैं। पालमपुर हिमाचल और शिमला स्टेशनों पर मास्टर प्लान का कार्य चल रहा है।

मास्टर प्लान संबंधी कार्य एक पुनरावृति प्रक्रिया है जिसमें इष्टतमीकरण की आवश्यकता होती है और इस चरण पर ऐसे इष्टतमीकरण के लिए समय सीमा और अन्य ब्यौरे प्रदान नहीं किए जा सकते हैं।

उत्तर रेलवे का अम्बाला मंडल:

• अम्बाला सिटी स्टेशन: स्टेशन भवन, प्रवेश प्रांगण, प्लेटफार्म सतह, वातानुकूलित प्रतीक्षालय, द्वितीय श्रेणी प्रतीक्षालय का सुधार कार्य, शौचालय, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग, प्रवेश/निकास द्वार और संकेतकों के सुधार के कार्य पूरे किए जा चुके हैं। लिफ्ट और 12 मीटर ऊपरी पैदल पुल के कार्य शुरू किए गए हैं।

• कालका स्टेशन: स्टेशन भवन, प्रवेश प्रांगण, प्रतीक्षा कक्ष, विश्राम कक्ष, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग, प्रवेश/निकास द्वार और साइनबोर्ड के सुधार के कार्य पूरे किए गए हैं। प्लेटफार्म सतह, लिफ्ट और 12 मीटर ऊपरी पैदल पुल के कार्य शुरू किए गए हैं।

• यमुना नगर जगाधरी स्टेशन: स्टेशन भवन, प्रतीक्षा कक्ष, शौचालय, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग, प्रवेश/निकास द्वार और साइनबोर्ड के सुधार के कार्य पूरे किए गए हैं। प्लेटफार्म सतह, दूसरे प्रवेश द्वार का विकास, लिफ्ट और 12 मीटर ऊपरी पैदल पुल के कार्य शुरू किए गए हैं।

• पटियाला स्टेशन: स्टेशन भवन, प्रवेश प्रांगण, प्लेटफार्म शेल्टर, प्रतीक्षा हॉल में सुधार, विश्राम कक्ष, शौचालय, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग, प्रवेश/निकास द्वार और साइनबोर्ड के सुधार के कार्य पूरे किए गए हैं। प्लेटफार्म सतह, दूसरे प्रवेश द्वार का विकास, लिफ्ट और 12 मीटर ऊपरी पैदल पुल के कार्य शुरू किए गए हैं।

उत्तर रेलवे का जम्मू मंडल:

• बडगाम स्टेशन: परिचलन, पार्किंग और पहुंच मार्ग के सुधार के कार्य पूरे किए जा चुके हैं। लिफ्ट और 12 मीटर ऊपरी पैदल पुल के कार्य शुरू किए गए हैं।

• गुरदासपुर स्टेशन: स्टेशन भवन, प्लेटफार्म शेल्टर, प्लेटफार्म सतह का सुधार, प्रतीक्षालय, शौचालय, परिचलन क्षेत्र, प्रांगण और प्रकाश व्यवस्था के कार्य पूरे किए जा चुके हैं। नए प्लेटफार्म संख्या 2, बुकिंग सह प्रतीक्षालय हॉल, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग, मुख्य प्रवेश और दूसरे छोर के प्रवेश/निकास द्वार और 12 मीटर ऊपरी पैदल पुल के कार्य शुरू किए गए हैं।

• शहीद कैप्टन तुषार महाजन स्टेशन: स्टेशन भवन, प्रांगण, प्रतीक्षालय, शौचालय, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग, पहुंच मार्ग, साइनबोर्ड और प्रकाश व्यवस्था के सुधार के कार्य पूरे हो चुके हैं। प्लेटफार्म शेल्टर, प्लेटफार्म सतह कार्य, मुख्य प्रवेश की ओर के प्रवेश/निकास द्वार, लिफ्ट, एस्केलेटर और 6 मीटर ऊपरी पैदल पुल के कार्य शुरू किए गए हैं।

झारखंड:

• बालसिरिंग स्टेशन: स्टेशन भवन, प्लेटफॉर्म शेल्टर, पार्किंग, प्रवेश मार्ग, दिव्यांगजन शौचालय और टिकट काउंटर के सुधार का कार्य पूरा किया जा चुका है। प्लेटफॉर्म सतह का कार्य और ऊपरी पैदल पुल का कार्य शुरू किया गया है।

• बानो स्टेशन: स्टेशन भवन, परिचलन क्षेत्र, प्रवेश मार्ग, स्टेशन प्रकाश व्यवस्था और रैंप के सुधार का कार्य पूरा किया जा चुका है। प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्लेटफॉर्म सतह का कार्य, पीने के पानी का बूथ और दिव्यांगजन शौचालय का कार्य शुरू किया गया है।

• गंगाघाट स्टेशन: स्टेशन भवन, प्लेटफॉर्म शेल्टर, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग और प्रवेश मार्ग के सुधार का कार्य पूरा किया जा चुका है। ऊपरी पैदल पुल और दिव्यांगजन सुविधाओं का कार्य शुरू किया गया है।

• ओरगा स्टेशन: स्टेशन भवन, प्लेटफार्म शेल्टर, प्लेटफार्म सतह का कार्य, परिचलन क्षेत्र, प्रवेश मार्ग, स्टेशन प्रकाश व्यवस्था और दिव्यांगजन शौचालय में सुधार का कार्य पूरा किया जा चुका है। दिव्यांगजन पार्किंग का कार्य शुरू किया गया है।

• टाटीसिलवे स्टेशन: स्टेशन भवन, प्रवेश प्रांगण, प्लेटफार्म शेल्टर, प्रतीक्षालय, परिचलन क्षेत्र, प्रवेश मार्ग और साइनबोर्ड में सुधार का कार्य पूरा किया जा चुका है। ऊपरी पैदल पुल का कार्य शुरू किया गया है।

पाली लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र:

• फालना स्टेशन: स्टेशन भवन, प्लेटफार्म सतह का कार्य, प्लेटफार्म शेल्टर और परिचलन क्षेत्र का कार्य पूरा किया जा चुका है। लिफ्ट और 12 मीटर ऊपरी पैदल पुल का कार्य शुरू किया गया है।

• जवाई बंध स्टेशन: मुख्य स्टेशन भवन, प्लेटफॉर्म की सतह और प्लेटफॉर्म संख्या 1 पर प्लेटफॉर्म शेल्टर का कार्य पूरा किया जा चुका है। प्लेटफॉर्म संख्या 2 पर प्लेटफॉर्म सतह, प्लेटफॉर्म संख्या 1 पर लिफ्ट और 12 मीटर ऊपरी पैदल पुल का कार्य शुरू किया गया है।

• मारवाड़ जंक्शन स्टेशन: मुख्य स्टेशन भवन और परिचलन क्षेत्र का कार्य पूरा हो चुका है। प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्लेटफॉर्म सतह, प्लेटफॉर्म संख्या 1 पर लिफ्ट और 12 मीटर फुट ओवर ब्रिज का कार्य शुरू किया गया है।

• रानी स्टेशन: मुख्य और द्वितीय प्रवेश पर स्टेशन भवन, प्लेटफॉर्म सतह, प्लेटफॉर्म शेल्टर, परिचलन क्षेत्र और दिव्यांगजनों के लिए टैक्टाइल पाथवे का कार्य पूरा किया जा चुका है। लिफ्ट का कार्य शुरू किया गया है।

जलगांव लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र:

• अमलनेर स्टेशन: प्लेटफ़ॉर्म संख्या 1 का विस्तार कार्य, प्लेटफ़ॉर्म की सतह का कार्य, प्लेटफ़ॉर्म संख्या 2 पर शेल्टर और पहुँच मार्ग का कार्य पूरा किया जा चुका है। उत्तरी दिशा में नए दूसरे प्रवेश भवन और कॉन्कोर्स के साथ नए भवन के फिनिशिंग कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

• चालीसगांव स्टेशन: प्लेटफ़ॉर्म की सतह का कार्य, प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर और शौचालय का कार्य पूरा हो चुका है। स्टेशन भवन, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग, भूसुदर्शनीकरण और 12 मीटर का ऊपरी पैदल पुल का सुधार कार्य शुरू कर दिया गया है।

• पाचोरा जंक्शन स्टेशन: दूसरे प्रवेश द्वार पर नए बुकिंग कार्यालय, मुख्य प्रवेश द्वार की ओर मौजूदा बुकिंग कार्यालय में सुधार, प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर, प्लेटफ़ॉर्म की सतह का कार्य, दोनों ओर परिचलन क्षेत्र और पार्किंग और बाउंड्री दीवार का कार्य पूरा किया जा चुका है। मौजूदा ऊपरी पैदल पुल और शौचालय ब्लॉक के सुधार के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

इसके अलावा, भारतीय रेल पर स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण एक सतत और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और इस संबंध में परस्पर प्राथमिकता और निधियों की उपलब्धता के अध्यधीन आवश्यकतानुसार कार्य किए जाते हैं। स्टेशन का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण स्टेशन की कोटि/अवस्था/संभाले जाने वाले यातायात आदि के आधार पर किया जाता है।

छत्तीसगढ़, दिल्ली, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, कर्नाटक, महाराष्ट्र और राजस्थान में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास के लिए चिह्नित किए गए स्टेशनों के नाम निम्नलिखित हैं:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
छत्तीसगढ़	32	अकलतारा, अंबिकापुर, बैकुंठपुर रोड, बालोद, बाराद्वार, बेल्हा, भानुप्रतापपुर, भाटापारा, भिलाई, भिलाई नगर, भिलाई पावर हाउस, बिलासपुर, चांपा, दल्लीराजहरा, डोंगरगढ़, दुर्ग, हथबंध, जगदलपुर, जांजगीर-नैला, कोरबा, महासमुंद, मंदिरहसौद, मारौदा, निपानिया, पेंड्रा रोड, रायगढ़, रायपुर जंक्शन, राजनंदगांव, सारोना, तिल्दा-नेओरा, उरकुरा, उसलापुर
दिल्ली	13	आदर्शनगर दिल्ली, आनंद विहार, बिजवासन, दिल्ली, दिल्ली कैंट, दिल्ली सफदरजंग, दिल्ली सराय रोहिल्ला, दिल्ली शाहदरा, हजरत निजामुद्दीन, नरेला, नई दिल्ली, सब्जी मंडी, तिलक ब्रिज
गुजरात	87	अहमदाबाद, आणंद, अंकलेश्वर, असारवा, बारडोली, भचाउ, भक्तिनगर, भाणवड, भरुच, भाटीया, भावनगर, भेस्तान, भीलडी, बिलिमोरा जंक्शन, बोटाद जंक्शन, चांदलोडिया, चोरवाड रोड, डभोई जंक्शन, दाहोद, डाकोर, डेरोल, ध्रांगध्रा, द्वारका, गांधीधाम, गोधरा जंक्शन, गोंडल, हापा, हिम्मतनगर, जाम जोधपुर, जामवणथली, जामनगर, जूनागढ़ जंक्शन, कलोल जंक्शन, कानालुस जंक्शन, करमसद, केशोद, खंभालिया, किम,

		कोसंबा जंक्शन, लखतर, लींबडी, लीमखेड़ा, महेमदावाद खेडा रोड, महेसाना जंक्शन, महुवा, मणिनगर, मीठापुर, मियागाम करजन जंक्शन, मोरबी, नडियाद जंक्शन, नवसारी, न्यू भुज, ओखा, पड़धरी, पालनपुर जंक्शन, पालीताना, पाटन, पोरबंदर, प्रतापनगर, राजकोट जंक्शन, राजुला जंक्शन, साबरमती बीजी, साबरमती एमजी, सचिन, समख्याली, संजन, सावरकुंडला, सायन, सिद्धपुर, सीहोर जंक्शन, सोमनाथ, सोनगढ़, सूरत, सुरेंद्रनगर, थान, उधना, उदवाडा, उमरगांव रोड, ऊंझा, उत्राण, वडोदरा, वापी, वटवा, वेरावल, विरमगाम, विश्वामित्री जंक्शन, वांकानेर
हिमाचल प्रदेश	4	अंब अंदौरा, बैजनाथ पपरोला, पालमपुर हिमाचल, शिमला
झारखंड	57	बालसिरिंग, बानो, बड़जमदा जंक्शन, बरकाकाना, बासुकीनाथ, भागा, बोकारो स्टील सिटी, चाईबासा, चक्रधरपुर, चांडिल, चंद्रपुर, डाल्टनगंज, डांगोआपोसी, देवघर, धनबाद, दुमका, गम्हरिया, गंगाघाट, गढ़वा रोड, गढ़वा टाउन, घाटसिला, गिरिडीह, गोड्डा, गोविंदपुर रोड, हैदरनगर, हटिया, हजारीबाग रोड, जामताड़ा, जपला, जसीडीह जंक्शन, कतरासगढ़, कोडरमा जंक्शन, कुमार डूबी, लातेहर, लोहरदगा, मधुपुर जंक्शन, मनोहरपुर, मुहम्मदगंज, मूरी जंक्शन, एनएससीबी जंक्शन गोमोह, नगरान्तरी, नामकोम, ओरगा, पाकुड़, पारसनाथ, पिस्का, राजखरसावां, राजमहल, रामगढ़ कैंट, रांची, साहिबगंज, संकरपुर, सिल्ली, सिनी, टाटानगर, टाटीसिलवाई, विद्यासागर

कर्नाटक	61	अलमट्टि, अलनावर, अर्सिकेरे जंक्शन, बादामी, बागलकोट, बल्लारी, बैंगलोर कैंट, बंगारपेट, बंटवाल, बेलागवी, बीदर, बीजापुर, चामराज नगर, चन्नापटना, चन्नासंद्रा, चिक्कमगलूरु, चिकोडी रोड, चित्रदुर्ग, दावनगेरे, धारवाड़, डोडबल्लापुर, गदग, गंगापुर रोड, गंगावती, घाटप्रभा, गोकक रोड, गुब्बि, हरिहर, हसन, होसपेटे, कालाबुरगी जं, केंगेरी, कोप्पल, क्रान्तिवीर संगोल्लि रायाण्ण (बेंगलुरु स्टेशन), कृष्णराजपुरम, मल्लेश्वरम, मलूर, मांड्या, मैंगलोर सेंट्रल, मैंगलोर जंक्शन, मुनीराबाद, मैसूर जं (मैसूर), रायचूर जं, रामनगरम, रानीबेन्नूर, रायबाग, सागर जंबागरू, सकलेशपुर, शाहाबाद, शिवमोगा टाउन, श्रवणबेलगोला, श्री सिद्धारूढ़ा स्वामीजी हुब्बल्लि जंक्शन, सुब्रहमण्य रोड, तालगुप्पा, तिप्टुर, तुमकुरु, उडुपि, विजयपुरा, वाडी, व्हाइटफ़ील्ड, यादगीर, यशवंतपुर
महाराष्ट्र	132	अहमदनगर, अजनी (नागपुर), अकालकोट रोड, अकोला, अकुर्दी, अमलनेर, आमगांव, अमरावती, अंधेरी, बडनेरा, बल्हारशाह, बांद्रा टर्मिनस, बारामती, बेलापुर, भंडारा रोड, भोकर, भुसावल, बोरीवली, भायखला, चालीसगांव, चंदा फोर्ट, चंद्रपुर, चर्नी रोड, छत्रपति संभाजीनगर, छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, चिंचपोकली, चिंचवड़, दादर (मध्य रेलवे), दादर (पश्चिम रेलवे), दहिसर, दौंड, देहु रोड, देवलाली, धामनगांव, धरनगांव, धाराशिव, धर्माबाद, धुले, दिवा, दुधानी, गंगाखेर, गोधानी, गोंदिया, ग्रांट रोड, हडपसर, हटकनंगले, हजूर साहिब नांदेड़, हिमायतनगर, हिंगनघाट, हिंगोली डेक्कन, इगतपुरी, जलगांव, जालना, जेउर, जोगेश्वरी, कल्याण जंक्शन, कैम्पटी, कांदिवली, कांजुर

		मार्ग, कराड, कटोल, केडगांव, किनवट, कोपरगांव, कुर्दुवाड़ी जंक्शन, कुर्ला जंक्शन, लासलगांव, लातूर, लोकमान्य तिलक टर्मिनस, लोनंद जंक्शन, लोनावला, लोअर परेल, मालाड, मलकापुर, मनमाड जंक्शन, मानवथ रोड, मरीन लाइन्स, माटुंगा, मिराज जंक्शन, मुदखेड जंक्शन, मुंबई सेंट्रल, मुंब्रा, मुर्तिजापुर जंक्शन, नागरसोल, नागपुर जंक्शन, नंदगांव, नंदुरा, नंदुरबार, नारखेर जंक्शन, नासिक रोड, नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी जंक्शन, पचोरा जंक्शन, पालघर, पंढरपुर, पनवेल जंक्शन, परभणी जंक्शन, परेल, परली वैजनाथ, पर्तुर, फलटन, प्रभादेवी, पुलगांव जंक्शन, पुणे जंक्शन, पूर्णा जंक्शन, रावेर, रोटेगांव, साईनगर शिरडी, सैंडहर्स्ट रोड, सांगली, सतारा, सावदा, सेलु, सेवाग्राम, शहाड, शेगांव, शिवाजी नगर पुणे, श्री छत्रपति शाहू महाराज टर्मिनस कोल्हापुर, सोलापुर, तालेगांव, ठाकुरली, ठाणे, टिटवाला, तुमसर रोड, उमरी, उरुली, वडाला रोड, विद्याविहार, विक्रोली, वडसा, वर्धा, वाशिम, वाथर।
राजस्थान	85	आबू रोड, अजमेर, अलवर, अनूपगढ़, असलपुर जोबनेर, बालोतरा, बांदीकुई, बारां, बाड़मेर, बयाना, ब्यावर, भरतपुर, भवानी मंडी, भीलवाड़ा, बिजयनगर, बीकानेर, बूंदी, चंदेरिया, छबड़ा गुगोर, चित्तौड़गढ़ जंक्शन, चूरू, डाकनिया तलाव, दौसा, डीग, देगाना, देशनोक, धौलपुर, डीडवाना, डूंगरपुर, फालना, फतेहनगर, फतेहपुर शेखावटी, गांधीनगर जयपुर, गंगापुर सिटी, गोगामेड़ी, गोटन, गोविंदगढ़, हनुमानगढ़, हिंडौन सिटी, जयपुर जं, जैसलमेर, जालौर, जवाई बांध, झालावाड़ सिटी, झुंझुनू, जोधपुर, कपासन, खैरथल, खेरली, कोटा जं, लालगढ़ जं, मंडल गढ़, मंडावर महवा रोड, मारवाड़ भीनमाल, मारवाड़ जंक्शन, मावली जंक्शन,

		मेड़ता रोड जं, नागौर, नरैना, नीम का थाना, नोखा, पाली मारवाड़, फलौदी जं, फुलेरा जं, पिंडवाड़ा, रायसिंह नगर, राजगढ़, रामदेवरा, रामगंजमंडी जंक्शन, राणा प्रतापनगर, रानी, रतनगढ़ जं, रेन, रींगस, सादुलपुर, सांगानेर, सवाई माधोपुर, श्री महावीरजी, सीकर, सोजत रोड, सोमेसर, श्रीगंगानगर, सुजानगढ़, सूरतगढ़, उदयपुर सिटी

अमृत भारत स्टेशन योजना में रेलवे स्टेशनों को बेहतर बनाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और चरणों में उनका कार्यान्वयन करना शामिल हैं। मास्टर प्लान बनाने में निम्नलिखित शामिल हैं:

- रेलवे स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुँच में सुधार
- रेलवे स्टेशन का शहर के दोनों तरफ के साथ एकीकरण
- रेलवे स्टेशन इमारत में सुधार
- प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, वाटर-बूथों में सुधार
- यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े ऊपरी पैदल पुल/एयर कॉन्कोर्स की व्यवस्था
- लिफ्ट/एस्केलेटर/रैम्प की व्यवस्था
- प्लेटफ़ॉर्म की सतह में सुधार/निर्माण और प्लेटफ़ॉर्म पर कवर की व्यवस्था
- 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क की व्यवस्था
- पार्किंग क्षेत्र, यातायात के विभिन्न साधनों का एकीकरण
- दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएँ
- बेहतर यात्री सूचना प्रणाली
- प्रत्येक रेलवे स्टेशन पर आवश्यकता को देखते हुए एक्ज़ीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए निर्दिष्ट स्थान, भूसुदर्शनीकरण आदि की व्यवस्था।

इस योजना में दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधानों; आवश्यकता, चरणबद्धता एवं व्यवहार्यता के लिए गिट्टी रहित पटरियों की व्यवस्था आदि और दीर्घावधि में रेलवे स्टेशन पर सिटी सेन्टरों के निर्माण की संकल्पना भी की गई है।

रेलवे स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल स्वरूप का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा अंतर्ग्रस्त होती है और इसके लिए दमकल विभाग की स्वीकृति, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन संबंधी स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं) अतिलंघनों को स्थानांतरित करने, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों के परिचालन, रेलपथ एवं उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के नजदीक किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउन फील्ड संबंधी चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य के समापन समय को प्रभावित करते हैं।

सामान्यतः अमृत भारत स्टेशन योजना सहित रेलवे स्टेशनों के विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण का वित्तपोषण योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएँ' के अंतर्गत किया जाता है। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत आबंटन और व्यय का ब्यौरा क्षेत्रीय रेल-वार रखा जाता है, न कि कार्य-वार या रेलवे स्टेशन-वार या राज्य-वार।

छत्तीसगढ़ राज्य दो क्षेत्रीय रेलों अर्थात् दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे और पूर्व तट रेलवे के क्षेत्राधिकार में आता है। इन क्षेत्रीय रेलों के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 1,163 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है, जिसमें से अब तक (जनवरी, 2026 तक) 853 करोड़ रुपए का व्यय उपगत किया गया है।

दिल्ली स्टेशन उत्तर रेलवे के क्षेत्राधिकार में आता है। इस जोन के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 1,483 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है, जिसमें से अब तक (जनवरी, 2026 तक) 1,400 करोड़ रुपए का व्यय उपगत किया गया है।

गुजरात दो क्षेत्रीय रेलों, अर्थात उत्तर पश्चिम रेलवे और पश्चिम रेलवे के क्षेत्राधिकार में आता है। इन क्षेत्रों के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 2,081 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है, जिसमें से अब तक (जनवरी, 2026 तक) 1,820 करोड़ रुपए का व्यय उपगत किया गया है।

हिमाचल प्रदेश राज्य उत्तर रेलवे के क्षेत्राधिकार में आता है। इस क्षेत्र के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 1,483 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है, जिसमें से अब तक (जनवरी, 2026 तक) 1,400 करोड़ रुपए का व्यय उपगत किया गया है।

झारखंड तीन क्षेत्रीय रेलों अर्थात् पूर्व रेलवे, पूर्व मध्य रेलवे और दक्षिण पूर्व रेलवे के क्षेत्राधिकार में आता है। इन क्षेत्रों के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 1,469 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है, जिसमें से अब तक (जनवरी, 2026 तक) 1,292 करोड़ रुपए का व्यय उपगत किया गया है।

कर्नाटक चार क्षेत्रीय रेलों अर्थात् मध्य रेलवे, दक्षिण रेलवे, दक्षिण मध्य रेलवे और दक्षिण पश्चिम रेलवे के क्षेत्राधिकार में आता है। इन क्षेत्रों के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 3,898 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है, जिसमें से अब तक (जनवरी, 2026 तक) 3,568 करोड़ रुपए का व्यय उपगत किया गया है।

महाराष्ट्र चार क्षेत्रीय रेलों अर्थात् मध्य रेलवे, दक्षिण मध्य रेलवे, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे और पश्चिम रेलवे के क्षेत्राधिकार में आता है। इन क्षेत्रीय रेलों के लिए, वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 3,834 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है, जिसमें से अब तक (जनवरी, 2026 तक) 3,461 करोड़ रुपए का व्यय उपगत किया गया है।

राजस्थान पांच क्षेत्रीय रेलों अर्थात् उत्तर रेलवे, उत्तर मध्य रेलवे, उत्तर पश्चिम रेलवे, पश्चिम रेलवे और पश्चिम मध्य रेलवे के क्षेत्राधिकार में आता है। इन क्षेत्रीय रेलों के लिए, वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 4,797 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है, जिसमें से अब तक (जनवरी, 2026 तक) 4,248 करोड़ रुपए का व्यय उपगत किया गया है।

पर्यटन सर्किट:

भारतीय रेल ने नवम्बर, 2021 में 'भारत गौरव गाड़ी' नीति जारी की है, जिसके तहत थीम आधारित पर्यटन गाड़ियों का परिचालन किया जा रहा है जिसका उद्‌देश्य भारत की समृद्‌ध सांस्कृतिक धरोहर और शानदार ऐतिहासिक स्थलों को भारत और विश्व के नागरिकों के समक्ष प्रस्तुत करना है। इस नीति के अनुसार, सेवा प्रदाताओं के पास भारत गौरव पर्यटन सर्किट गाड़ियों के परिचालन के लिए थीम/यात्रा कार्यक्रम तय करने की पूरी स्वतंत्रता है, जिसमें बाजार की मांग, व्यावसायिक व्यवहार्यता आदि के आधार पर भारत के किसी भी भाग के पर्यटन सर्किट शामिल हो सकते हैं।

ऊपरी/निचले सड़क पुल संबंधी कार्य:

समपारों के स्थान पर ऊपरी सड़क पुल (आरओबी)/निचले सड़क पुल(आरयूबी) के कार्यों को अनुमोदित करना भारतीय रेल की एक सतत और गतिशील प्रक्रिया है। ऐसे कार्यों को गाड़ी परिचालन में संरक्षा पर प्रभाव, गाड़ियों की गतिशीलता, सड़क उपयोगकर्ताओं पर प्रभाव और व्यवहार्यता आदि के आधार पर प्राथमिकता दी जाती है और शुरू किया जाता है।

भारतीय रेल में वर्ष 2004-14 की तुलना में 2014-26 की अवधि के दौरान निर्मित किए गए ऊपरी/निचले सड़क पुलों की संख्या (जनवरी 2026 तक) निम्नानुसार है:

अवधि	निर्मित किए गए आरओबी/आरयूबी
2004-14	4,148 अदद
2014-26 (जनवरी 2026 तक)	14,024 अदद (दिल्ली में 14 अदद आरओबी/आरयूबी सहित)

01.02.2026 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल में 1,14,196 करोड़ रुपए की लागत पर कुल 4,802 आरओबी/आरयूबी को स्वीकृति दी गई है, जिनमें से दिल्ली में 719 करोड़ रुपए की लागत पर 19 अदद ऊपरी/निचले सड़क पुलों के निर्माण कार्यों को स्वीकृति दी गई है, जो योजना और कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं।

उल्लिखित स्थानों पर स्वीकृत आरओबी/आरयूबी की स्थिति इस प्रकार है:

क्र. सं.	अवस्थिति	टिप्पणियां
1	दिल्ली-बठिंडा खंड पर समपार संख्या 12 (किराड़ी)	इस स्थान पर 4-लेन आरओबी का निर्माण कार्य दिल्ली सरकार के मेगा ड्रेन परियोजना के भाग के तौर पर शामिल किया गया है। एक करार किया गया है जिसके अनुसार समपार संख्या 12 पर ऊपरी सड़क पुल का निर्माण कार्य राज्य सरकार द्वारा किया जाएगा।
2	दिल्ली-बठिंडा खंड पर समपार संख्या 18 (घेवरा)	इस स्थान पर ऊपरी सड़क पुल बनाने का कार्य वर्ष 2019-20 में लागत में हिस्सेदारी आधार पर 109 करोड़ रुपए की लागत से स्वीकृत किया गया था। इसके बाद, राज्य सरकार के अनुरोध पर, कार्य की योजना अर्थात ऊपरी सड़क पुल से निचले सड़क पुल में बदलाव के प्रस्ताव की जांच की गई और तट की ऊंचाई

क्र. सं.	अवस्थिति	टिप्पणियां
		कम होने के कारण इसे व्यवहार्य नहीं पाया गया। जनता की मांग को ध्यान में रखते हुए, अब ऊपरी सड़क पुल बनाने का कार्य रेलवे के व्यय पर शुरू किया गया है। विस्तृत अनुमान स्वीकृत कर दिया गया है और सामान्य व्यवस्था आरेख को मंज़ूरी मिल गई है। निविदा आमंत्रित की गई है।
3	दिल्ली-अंबाला खंड पर समपार संख्या 16 (नरेला)	आरंभ में, ऊपरी सड़क पुल का निर्माण करने के लिए 165 करोड़ रुपए की लागत से यह कार्य स्वीकृत किया गया था। इसके बाद, राज्य सरकार के कार्य की योजना बदलने के प्रस्ताव, अर्थात ऊपरी सड़क पुल से निचले सड़क पुल में बदलने के अनुरोध की जांच की गई, परन्तु तट की ऊंचाई कम होने के कारण यह व्यवहार्य नहीं पाया गया। जनता की मांग को देखते हुए, ऊपरी सड़क पुल का निर्माण अब रेलवे के व्यय पर शुरू किया गया है। विस्तृत अनुमान स्वीकृत किया गया है और सामान्य व्यवस्था आरेख को भी मंज़ूरी दे दी गई है।
4	दिल्ली-अंबाला खंड पर समपार संख्या 10 (सिरसपुर)	इस स्थान पर निचले सड़क पुल के निर्माण का कार्य 4.76 करोड़ रुपए की लागत से स्वीकृत किया गया है। विस्तृत अनुमान स्वीकृत किया गया है और सामान्य व्यवस्था आरेख को मंज़ूरी प्राप्त की गई है। संविदा कार्य प्रदान किया गया है। कार्य शुरू हो गया है।

क्र. सं.	अवस्थिति	टिप्पणियां
5	दिल्ली-अंबाला खंड पर समपार संख्या 11 (खेड़ा कलां)	इस स्थान पर 3.83 करोड़ रुपए की लागत से निचले सड़क पुल के निर्माण का कार्य स्वीकृत किया गया है। रेलवे के भाग का सबवे कार्य पूरा हो गया है। पहुंच मार्ग का कार्य शुरू हो गया है।
6	दिल्ली-अंबाला खंड पर समपार संख्या 12 (खेड़ा कलां)	इस स्थान पर 131.55 करोड़ रुपए की लागत से ऊपरी सड़क पुल के निर्माण का कार्य स्वीकृत किया गया है। विस्तृत अनुमान स्वीकृत किया गया है और सामान्य व्यवस्था आरेख को मंज़ूरी दी गई है। संविदा कार्य प्रदान किया गया है। निर्माण कार्य शुरू हो गया है।
7	दिल्ली-बठिंडा पर समपार संख्या 19 (टीकरी कलां)	इस स्थान पर निचले सड़क पुल बनाने के लिए तकनीकी व्यवहार्यता रिपोर्ट (टीएफआर)/विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) का कार्य शुरू कर दिया गया है।
8	दिल्ली-अंबाला खंड पर समपार संख्या 14 (होलम्बी कलां)	इस स्थान पर निचले सड़क पुल के निर्माण के कार्य के लिए तकनीकी व्यवहार्यता रिपोर्ट (टीएफआर)/विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) का कार्य शुरू कर दिया गया है।
9	दिल्ली-अंबाला खंड पर समपार संख्या 15 (भोरगढ़)	इस स्थान पर 5.7 करोड़ रुपए की लागत से निचले सड़क पुल के निर्माण का कार्य को मंज़ूरी दी गई है। सामान्य व्यवस्था आरेख को मंज़ूरी दी गई है और विस्तृत अनुमान को मंज़ूरी दी गई है। संविदा कार्य प्रदान किया गया है। जनोपयोगी सुविधाओं के स्थानांतरण का कार्य शुरू किया गया है।

क्र. सं.	अवस्थिति	टिप्पणियां
10	दिल्ली-अंबाला पर गैर समपार कार्य (रोहिणी सेक्टर 18 मेट्रो स्टेशन)	रोहिणी को समयपुर से जोड़ने के लिए इस स्थान पर 10.5 मीटर चौड़ाई और 5.5 मीटर ऊंचाई वाले 2 लेन के एक सबवे का कार्य पहले ही शुरू हो चुका है, जो चार लेन के यातायात की आवश्यकताओं को पूरा करेगा।

ऊपरी सड़क पुल/ निचले सड़क पुल कार्यों का समापन और कमीशनिंग विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है जैसे कि पहुँच मार्ग संरेखण का निर्धारण, सामान्य व्यवस्था आरेख (जीएडी) की स्वीकृति, भूमि अधिग्रहण, अतिक्रमण हटाना, जनोपयोगी सुविधाओं का स्थानांतरण, विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियाँ, जलवायु संबंधी परिस्थितियों के कारण विशिष्ट परियोजना/क्षेत्र में वर्ष में कार्यावधि आदि। ये सभी कारक परियोजनाओं/कार्यों के समापन समय को प्रभावित करते हैं।

रेलवे ने ऊपरी/निचले सड़क पुल संबंधी कार्यों की प्रगति को तीव्र करने के लिए निम्नलिखित उपाय किए हैं:

(i) सामान्य व्यवस्था आरेख (जीएडी) को अंतिम रूप देने से पहले संबंधित राज्य सरकार/सड़क स्वामित्व प्राधिकरण के साथ संयुक्त सर्वेक्षण किया जाता है ताकि सुगम निष्पादन सुनिश्चित किया जा सके।

(ii) रेलवे और राज्य सरकार के अधिकारियों की समय-समय पर बैठकें आयोजित की जाती हैं ताकि ऊपरी सड़क पुल/ निचले सड़क पुल संबंधी कार्यों से संबंधित विभिन्न मुद्दों का समाधान किया जा सके।

(iii) रेलवे के भाग पर सड़क की चौड़ाई, स्पैन और विषम तल के विभिन्न संयोजनों के लिए अधिसंरचना आरेखों का मानकीकरण किया गया है ताकि डिजाइन के अनुमोदन के दौरान विलंब से बचा जा सके। इसे एक संकलन के रूप में जारी किया गया है, जिसे रेल लाइनों पर ऊपरी सड़क पुल के लिए त्वरित योजना हेतु सीधे अपनाया जा सकता है।

(iv) रेलवे द्वारा ऊपरी/निचले सड़क पुल संबंधी कार्यों को जहाँ कहीं संभव हो, एकल इकाई के आधार पर निष्पादित करने की योजना बनाई गई है। सड़क स्वामित्व प्राधिकरण/राज्य सरकार की वांछानुसार, रेलवे द्वारा उन्हें कार्य को एकल इकाई के आधार पर निष्पादित करने की अनुमति दी जा सके।

*****